CCI NG 3.7 Product: LucknowMasalamixBS PubDate: 14-03-2026 Zone: Lucknow Edition: 1 Page: LTMMFP User: cci Time: 03-13-2026 22:16 Color:

नवभारत टाइम्स NBT
Lucknow Times masalamix OF INDIA
नवभारत टाइम्स, कानपुर (कानपुर व लखनऊ में एक साथ प्रसारित), शनिवार, 14 मार्च 2026
I ADVERTORIAL ENTERTAINMENT PROMOTIONAL FEATURE

पुराने लखनऊ में ज़ायकों से महकती गलियां

रमजान की रातों में पुराना लखनऊ अपनी सबसे खूबसूरत शक्ल में नजर आता है। रात गहराती है लेकिन गलियों की रौनक और लोगों की चहल-पहल के चलते वक्त थम -सा जाता है। नजीराबाद की बिरयानी, अमीनाबाद के मीठे पान, अकबरी गेट की निहारी और इमामबाड़ा फूड जोन की चाय, हर जगह भीड़ ऐसी कि लगता ही नहीं यह आधी रात है। यह वही लखनऊ है, जो रमजान में सिर्फ जागता नहीं, धड़कता है। पेश है मोहम्मद फाज़िल की रिपोर्ट...

Pics: Sunil Kumar Raidas

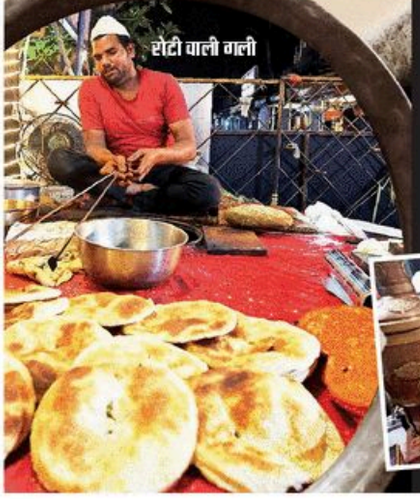

नजीराबाद और अमीनाबाद: रात 11 बजे

रात के 11 बजे जैसे ही हम नजीराबाद पहुंचे, लगा ही नहीं कि यह शहर रात के दूसरे पहर में है। दुकानों की रोशनी, लोगों की आवाजें और खाने की खुशबू, सबकुछ एक अलग ही रौनक बिखेर रहे थे। एक तरफ जहां दुकानों पर लोग जमकर खरीदारी करते नजर आए। वहीं, सड़क किनारे बिरयानी और भुनी कलेजी के ठेलों पर इतनी भीड़ थी कि कदम रखने की जगह मुश्किल से मिल रही थी। मशहूर बिरयानी वाले अकबर ने मुस्कुराकर बताया, 'रमजान के दिनों में रात 10 बजे के बाद से असली रौनक शुरू होती है साहब और सहरी तक भीड़ रहती है।' अयाज, जो भुनी कलेजी का स्टॉल लगाते हैं, बोले, 'रमजान के आखिरी दिनों में तो पूरी रात दुकानें खुली रहती हैं।' कुछ ही दूरी पर अमीनाबाद चौराहे का नजारा तो और भी अलग था। शाही टुकड़ा, जाफरानी खीर और मिट्टी के प्यालों में रबड़ी खा रहे लोग याद दिला रहे थे कि यह रमजान की ही रात है। टुंडे होटल के बाहर इंतजार करती लंबी लाइन और आलमगीर पर सहरी का इंतजार करती भीड़, हर तरफ सिर्फ एक बात कह रही थी कि रमजान के दिनों में नवाबों का शहर रात में सोता नहीं है। घड़ी देखी तो 11:30 बज चुके थे पर माहौल ऐसा जैसे अभी तो रात शुरू हुई हो।

CONTINUED ON ▸ 3

रोटी वाली गली

अकबरी गेट

ईरानी चाय हुसैनाबाद

8 साल पुरानी बातचीत के एक छोटे से हिस्से को एडिट करके जानबूझ कर विवाद खड़ा करने की कोशिश है। 24 घंटे में इसे डिलीट नहीं किया तो मैं कानूनी कार्रवाई करूंगी।

वायरल ऑडियो पर रश्मिका मंदाना हो गईं नाराज़

रश्मिका मंदाना से जुड़ा एक ऑडियो वायरल हो रहा है जिसमें एक महिला की आवाज है। कहा जा रहा है कि यह महिला रश्मिका की मां है, जो रश्मिका के पूर्व मंगेतर रक्षित शेट्टी को लेकर कुछ आरोप लगा रही हैं। ऑडियो सामने आने के बाद रश्मिका बेहद नाराज हो गई हैं। उन्होंने इसे अपनी प्राइवेसी पर हमला बताते हुए कानूनी कार्रवाई की बात कही है।

रश्मिका ने सोशल मीडिया पर एक लंबे-चौड़े पोस्ट में लिखा, 'जब तक यह हमला मुझ तक सीमित था, तो मैं चुप थी। लेकिन अब इसमें दूसरों को भी घसीटा जा रहा है, तो अब मैं शांत नहीं बैठ सकती। ऐसा लगता है कि 8 साल पुरानी हमारी निजी बातचीत को बिना हमारी सहमति और जानकारी के फैलाया गया है। उस बातचीत के एक छोटे से हिस्से को एडिट करके जानबूझकर विवाद खड़ा करने की कोशिश की गई है। यह उस समय हो रहा है जब मेरी जिंदगी में कुछ नई चीजें हो रही हैं। लोग किस हद तक गिर सकते हैं!'

ऑस्कर जीतने से आप रातों-रात अमीर नहीं बनते: गुनीत

ऑस्कर जीत चुकीं गुनीत मोंगा का कहना है कि ऑस्कर जीतने से अचानक पैसा या आर्थिक सुरक्षा नहीं मिलती, बल्कि इससे पहचान और सम्मान मिलता है। उनके मुताबिक अगर किसी को सिनेमा से सच्चा प्यार हो तो वह कला और कारोबार के बीच बैलेंस बनाना सीख जाता है।

एक बातचीत में उन्होंने कहा 'इस सम्मान ने भारतीय कहानियों को वैश्विक मंच पर नई पहचान दिलाई है और दुनिया भर के दर्शक अब भारतीय कहानियों के प्रति ज्यादा उत्सुक हो गए हैं।' उन्होंने कहा 'ऑस्कर जीतने के बाद मेरे लिए कई नए अवसर खुले, लेकिन इसके साथ ही जिम्मेदारियां और उम्मीदें भी बढ़ गईं। ऑस्कर जीतकर रातों-रात अमीर नहीं बनते और न ही वैश्विक पहचान अचानक नहीं मिलती, इसके पीछे लोकल सपोर्ट, अच्छे साझेदार और लगातार मेहनत की जरूरत होती है।' उन्होंने ने यह भी कहा 'भारत में डॉक्यूमेंट्री फिल्मों के लिए अभी भी पर्याप्त आर्थिक सहयोग नहीं है। इस क्षेत्र को आगे बढ़ाने के लिए मजबूत फंडिंग और बेहतर व्यवस्था की जरूरत है।'

मिडल ईस्ट में तनाव के चलते दीपिका ने छोड़ा पैरिस का इवेंट

@deepikapadukone

मिडल ईस्ट देशों ईरान और इजराइल के बीच युद्ध की वजह से दीपिका पादुकोण को एक इंटरनेशनल इवेंट छोड़ना पड़ा है। दीपिका को फ्रांस की राजधानी पैरिस में इस फैशन इवेंट में शामिल होना था। माना जा रहा है कि यह इवेंट पैरिस फैशन वीक था। वह इस इवेंट में जाने की पूरी तैयारियां भी कर चुकी थीं। लेकिन मिडल ईस्ट में जारी तनाव के चलते फ्लाइट्स पर जो असर नजर आ रहा है, उसे देखते हुए दीपिका ने इस इवेंट में जाना कैंसल कर दिया।

खराब हवा पर हुईं नाराज़

दीपिका ने मुंबई की खराब होती हवा पर अपनी चिंता जाहिर की। उन्होंने अपने सोशल मीडिया पर शहर के एयर क्वालिटी इंडेक्स मैप का एक स्क्रीनशॉट शेयर किया, जिसमें खतरनाक प्रदूषण लेवल दिख रहा है। इसके साथ उन्होंने लिखा, 'इस शहर के नागरिक और बच्चों का दम घुट रहा है! यह कैसे ठीक है?' दीपिका ने इसके साथ ही बृहन्मुंबई म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन (BMC) को भी टैग किया है।

'मेरी शादी में मनोज का बहुत बड़ा हाथ रहा'

Rekha.Khan@timesofindia.com

कलात्मक घराने से ताल्लुक रखने वाले सौरभ शुक्ला के करियर की शुरुआत थिएटर से हुई। छोटे पर्दे पर यादगार भूमिकाएं करने वाले सौरभ फिल्मों में सत्या के कल्लू मामा के रूप में खूब लोकप्रिय हुए, मगर फिर आगे चलकर जॉली एलएलबी के जज सुंदरलाल त्रिपाठी के रूप में उन्होंने खूब ख्याति पाई। सौरभ इन दिनों चर्चा में हैं अपने लेखन और निर्देशन वाली फिल्म जब खुली किताब से। ओटीटी पर आई इस फिल्म के अलावा अनिल कपूर की फिल्म सूबेदार में भी उनकी भूमिका काफी पसंद की जा रही है। उनसे खास बातचीत।

कल्लू मामा के बाद नहीं मिले अच्छे रोल

थिएटर और नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा की रेपेट्री कंपनी में अभिनेता के रूप में अपनी शुरुआत करने वाले सौरभ शुक्ला के लिए करियर का टर्निंग पॉइंट था फिल्म सत्या के कल्लू मामा की भूमिका। मगर उस सुपरहिट रोल के बावजूद सौरभ का संघर्ष खत्म नहीं हुआ। वे कहते हैं, 'कल्लू मामा की भूमिका के बाद मुझे लगा था कि एक से बढ़कर एक रोल्स के ऑफर आएंगे, काम की किल्लत तो नहीं हुई, मगर हां उस तरह के रोल्स की किल्लत जरूर हुई, जो मैं करना चाहता था। मुझे काफी छोटे-छोटे किरदार ऑफर हो रहे थे, जिनका कोई अर्थ नहीं था। लोग अक्सर ये कहते, 'तुम अच्छे एक्टर हो, मगर तुम्हें कैमियो भूमिकाएं ही क्यों मिलती हैं?' एक दौर ऐसा भी आया, जब मैंने कहना शुरू किया कि मैं एक्टर नहीं हूं, राइटर हूं। असल में वो खुद को बचाने का एक तरीका था। लंबे समय तक मैंने राइटिंग भी की। मगर फिर वो दौर भी खत्म हुआ और अनुराग बसु की बर्फी मिली, फिर तो एक्टर के रूप में मेरी गाड़ी फिर से चल निकली।'

प्रोटोकॉल तोड़ा, राष्ट्रपति से हाथ मिलाया

ये भी कम दिलचस्प बात नहीं है कि एक समय मनचाही भूमिकाओं के लिए तरसने वाले सौरभ को आगे चलकर 2013 में जॉली एलएलबी जज सुंदरलाल त्रिपाठी के लिए बेस्ट सपोर्टिंग एक्टर का अवॉर्ड भी मिला। वे बताते हैं, 'सभी जानते हैं कि राष्ट्रीय पुरस्कार आपको राष्ट्रपति के हाथों मिलता है। प्रोटोकॉल होता है कि आप राष्ट्रपति से हाथ नहीं मिला सकते, उन्हें छू नहीं सकते, मुझे पता था कि मुझे उनको नमस्ते करनी है। उस वक्त तत्कालीन राष्ट्रपति थे प्रणब मुखर्जी। मैं जब अवॉर्ड लेने मंच पर गया, तो वे मुझे देख कर मुस्कुराए और बोले, 'आपकी वजह से मैंने ये फिल्म दो बार देखी है।' उनकी ये बात सुनकर मेरी हिम्मत बढ़ गई। मैंने तपाक से कहा, 'अगर ऐसा है, तो इसी बात पर हाथ मिलाइए।' उन्होंने भी हाथ मिला लिया और इस तरह प्रोटोकॉल तोड़कर मैंने राष्ट्रपति से हाथ मिला लिया।'

CONTINUED ON ▸ 3

दोस्त के खाने पर सभी का हक

एक लंबे समय से सौरभ शुक्ला और मनोज बाजपेयी गहरे दोस्त रहे हैं। मनोज से अपनी दोस्ती को लेकर वे कहते हैं, 'मेरे जीवन में मनोज का बहुत बड़ा योगदान है। मेरी पर्सनल लाइफ में मनोज ने बहुत अहम भूमिका निभाई है। जब मेरी शादी हुई थी, तब मनोज ही थे, जिन्होंने मेरी पत्नी (बर्नाली रे) से कहा था कि इससे अच्छा लड़का तुमको मिल नहीं सकता। समझदार है, कमिटेड है और साथ में गाना भी गा लेता है। मनोज तो मेरा यार है। जहां तक स्ट्रगल डेज की बात है, तो संघर्ष काफी था, मगर वो दिन मस्ती भरे थे। उस दौर में हम सभी ने एक-दूसरे का साथ दिया। मैं, मनोज, तिग्मांशु धूलिया, विजय कृष्ण आचार्य जैसे जितने भी दोस्त थे, हम साथ रहा करते थे। उस वक्त एक मैंडेट-सा था कि चाहे खाना-पीना (शराब) कोई भी लाए, वो सभी का होता था, किसी एक का नहीं। हम सभी मिलजुल कर खाया-पिया करते थे।

सौरभ शुक्ला

CCI NG 3.7 Product: LucknowMasalamixBS PubDate: 14-03-2026 Zone: Lucknow Edition: 1 Page: LTMMPG2 User: cci Time: 03-13-2026 21:57 Color:

DP UPDATE

'मैं वर्किंग वुमन हूं। किताबें पढ़ना और म्यूजिक सुनना मेरे शौक है। मुझे नेचर के करीब रहना अच्छा लगता है।'
-प्रिया अरोड़ा, कृष्णानगर

Status: Cool
ये स्पेस आपके लिए
● **Available**
lucknowtimesnbt@gmail.com पर हमें अपनी ऑनलाइन डीपी, नंबर और डिटेल्स के साथ भेजें।

'मैं सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर हूं। इतिहास से संबंधित किताबें पढ़ना मेरी हॉबी है। मुझे नई जगहों पर घूमना पसंद है।'
- मिर्जा इशरत बेग, अमीनाबाद

खींचोगे तो दिखोगे

अपनी मस्ती भरी तस्वीरें हमें lucknowtimes nbt@gmail.com पर भेजिए। मेल में अपना पता व नंबर जरूर लिखें और सब्जेक्ट में लिखें Kichoge to Dikhoge.

यह फोटो अशोक कुमार श्रीवास्तव ने मवैयागंज से भेजी है।

स्माइल विद दादा-दादी

भेजें दादा-दादी के साथ वाली प्यारी-सी फोटो lucknow times nbt@gmail.com पर। अपने नाम के साथ दादा/दादी का भी नाम लिखें। सब्जेक्ट में लिखें- Smile with Dada/Dadi

सौम्या सिंह

नीलम

संस्कृति

टाइमपास के फंडे

आप भी कर रहे हैं समय का सदुपयोग, तो हमें भेजें टाइमपास की फोटो lucknowtimesnbt@gmail.com पर। सब्जेक्ट में लिखें- Timepass

त्रिशिका निगम

उमर अहमद

मेरा प्यारा PET

अपने पेट्स के साथ की फोटो ईमेल करें lucknow times nbt @gmail.com पर। नाम, पता लिखना न भूलें और सब्जेक्ट- My Pet

अरुणा शर्मा

अविशी श्रीवास्तव

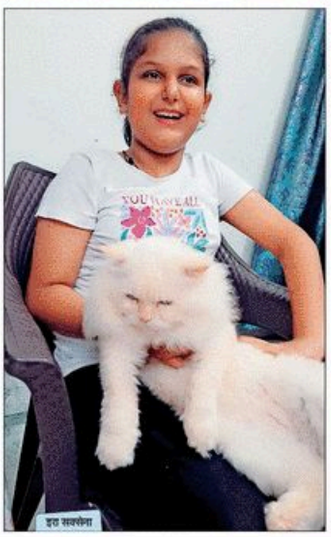

इरा सक्सेना

Selfie

—अर्पिता जायसवाल, गोमतीनगर

हमें अपनी सेल्फी lucknowtimesnbt@gmail.com पर भेजिए। सब्जेक्ट में लिखें Meri Selfie.

नेचर से प्यार

भेजें गार्डनिंग करते हुए अपनी फोटो lucknow timesnbt@gmail.com पर। नाम व पता जरूर लिखें। सब्जेक्ट में लिखें- Nature se Pyar

अयांश वर्मा

सुरिंदर कौर

कमल गुप्ता

सौम्या, इंदिरानगर

12 राशियां और आपका दिन

ARIES 21 Mar - 19 Apr
राशि स्वामी मंगल पराक्रमी के प्रभाव में है। आज आपको वाणी पर नियंत्रण रखना होगा और कड़वाहट को मिठास में बदलने की कला सीखनी पड़ेगी। पंचम भाव के दूषित होने से संतान पक्ष से कुछ निराशाजनक समाचार मिल सकता है, लेकिन धैर्य रखें। शाम के समय किसी रुके हुए कार्य पूर्ण होंगे।

TAURUS 20 Apr - 19 May
आज का दिन लाभ और खुशी का है। राजनीतिक क्षेत्र में किए गए प्रयासों में सफलता मिलेगी। शासन व सत्ता से गठजोड़ का लाभ मिल सकता है। नए अनुबंधों के द्वार पर, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रात में कुछ अप्रिय व्यक्तियों से मिलने से अनावश्यक कष्ट का सामना करना पड़ेगा।

GEMINI 21 May - 21 Jun
आपकी राशि का स्वामी सूर्य मित्र ग्रहों के मध्य स्थित है, जो आय के नए स्रोत सृजित करेगा। आपकी वाणी की सौम्यता आपको समाज में विशेष सम्मान दिलाएगी। शिक्षा और प्रतियोगिता के क्षेत्र में विशेष सफलता मिलने के योग हैं। आपके शत्रु आपस में लड़कर ही अपने आप नष्ट हो जाएंगे।

CANCER 22 Jun - 22 July
चंद्रमा नवम भाव में होने से उत्तम संपत्ति के योग बन रहा है। आजीविका के क्षेत्र में निरंतर प्रगति होगी और राज्य-मान-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। संतान के प्रति अपने दायित्वों की पूर्ति करने में आप सफल रहेंगे। यात्रा और देशाटन की स्थिति सुखद व अत्यंत लाभदायक सिद्ध होगी। शाम से रात तक प्रिय व्यक्तियों के दर्शन और शुभ समाचार मिलने के योग हैं।

LEO 23 July - 22 Aug
आपकी राशि का स्वामी सूर्य मित्र ग्रहों के मध्य स्थित है, जो आय के नए स्रोत सृजित करेगा। आपकी वाणी की सौम्यता आपको समाज में विशेष सम्मान दिलाएगी। शिक्षा और प्रतियोगिता के क्षेत्र में विशेष सफलता मिलने के योग हैं। आपके शत्रु आपस में लड़कर ही अपने आप नष्ट हो जाएंगे।

VIRGO 23 Aug - 22 Sep
राशि स्वामी बुध सुख-सुविधाओं में वृद्धि कर रहा है। रोजगार और व्यापार के क्षेत्र में आपके द्वारा किए जा रहे प्रयासों में अप्रत्याशित सफलता प्राप्त होगी। संतान पक्ष से भी सुखद समाचार मिलेगा। दोपहर के बाद किसी कानूनी विवाद या मुकदमे में जीत हासिल होने से मन प्रसन्न रहेगा। शुभ कार्यों पर व्यय होगा।

LIBRA 23 Sep - 22 Oct
आज आपके चारों ओर का वातावरण अत्यंत सुखद रहेगा। परिवार के सभी सदस्यों के बीच खुशहाली बढ़ेगी। कई दिनों से चली आ रही लेन-देन की कोई बड़ी समस्या सुलझ सकती है। पर्याप्त धन लाभ होने से आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। विरोधियों पर आपकी विजय निश्चित है। प्रणय संबंधों में प्रगाढ़ता आएगी। यात्रा के प्रसंग बन कर स्थगित हो सकते हैं।

SCORPIO 23 Oct - 21 Nov
आपकी राशि से एकादश-द्वादश भाव में स्थित ग्रह अभी कुछ दिन और प्रभावी रहेंगे। इसके परिणाम स्वरूप वायु या रक्त से संबंधित कुछ आंतरिक परेशानी हो सकती है। आज का दिन स्वास्थ्य की जांच कराने और किसी योग्य चिकित्सक से परामर्श लेने में व्यतीत करना बेहतर रहेगा।

SAGITTARIUS 22 Nov - 21 Dec
आज आपके घोर विरोधी भी आपकी कार्यशैली की प्रशंसा करेंगे। शासन और सत्ता पक्ष से निकटता का लाभ मिलेगा। ससुराल पक्ष से धन प्राप्ति के योग बन रहे हैं। शाम से लेकर रात तक आप सामाजिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेंगे, जिससे आपका सामाजिक दायरा बढ़ेगा।

CAPRICORN 22 Dec - 19 Jan
पारिवारिक और आर्थिक मामलों में आज आपको पूर्ण सफलता मिलेगी। आजीविका के क्षेत्र में चल रहे नए प्रयास फलीभूत होंगे। कार्यक्षेत्र में अधीनस्थों का उचित आदर और सहयोग प्राप्त होगा। शाम के समय किसी भी प्रकार के झगड़े या विवाद में पड़ने से बचें, अन्यथा हानि हो सकती है।

AQUARIUS 20 Jan - 18 Feb
आज स्वास्थ्य सुख में कुछ बाधाएं आ सकती हैं। राशि स्वामी शनि अब मार्गी हो चुके हैं, जिसके कारण आकस्मिक विवाद और शत्रुओं की उत्पत्ति हो सकती है। अपनी ही बुद्धि द्वारा लिए गए निर्णयों में कभी-कभी निराशा या हानि का सामना करना पड़ सकता है। व्यर्थ के विवादों से दूर रहें।

PISCES 19 Feb - 20 Mar
आज का दिन संतान की शिक्षा और उनके कार्यों को व्यवस्थित करने में व्यतीत होगा। दांपत्य जीवन में पिछले कई दिनों से चला आ रहा मतिरोध या मनमुटाव आज समाप्त हो जाएगा। आज साले या बहनोई के साथ धन का लेन-देन न करें, अन्यथा संबंध बिगड़ सकते हैं। पुण्य कार्यों पर धन व्यय होगा। कीमती वस्तुओं सुरक्षा के लिए सतर्क रहें।

सुडोकू

				7	6			
							5	
1		9		4		8	7	
2			9		4	3		
	4						8	
		6	5		3			4
	1	3		9		4		7
	7							
			4	5				

कल के सुडोकू का जवाब

5	8	2	7	3	4	1	6	9
1	7	3	6	8	9	2	4	5
4	9	6	5	2	1	7	3	8
7	4	5	1	6	2	9	8	3
6	2	9	8	7	3	5	1	4
3	1	8	9	4	5	6	2	7
9	6	4	3	1	7	8	5	2
2	5	1	4	9	8	3	7	6
8	3	7	2	5	6	4	9	1

TELEVISION big magic

09:00	बबलू डबलू
10:00	बदायूं बुढ़ऊ
11:00	रुद्र के रक्षक
12:00	चक्रधारी अजेय कृष्ण
12:30	हम पांच
13:00	रुद्र के रक्षक
13:30	भ से भड़े
14:00	चक्रधारी अजेय कृष्ण
15:00	लिटिल कृष्णा
17:00	बबलू डबलू
18:00	चक्रधारी अजेय कृष्ण

कल का पंचांग
(रविवार, 15 मार्च 2026)

राष्ट्रीय मिति फाल्गुन 24, शक संवत 1947, चैत्र कृष्ण, एकादशी, रविवार, विक्रम संवत 2082। सौर चैत्र मास प्रविष्टे 2, रमजान 25, हिजरी 1447 (मुस्लिम), तद अनुसार अंग्रेजी तारीख 15 मार्च 2026 है। सूर्य उत्तरायण, उत्तर गोल, बसंत ऋतु। राहु काल शाम 4 बजकर 30 मिनट से 6 बजे तक। एकादशी तिथि सुबह 9 बजकर 17 मिनट तक के बाद द्वादशी तिथि का आरंभ होगा। श्रवण नक्षत्र अगले दिन तड़के 5 बजकर 56 मिनट तक के बाद धनिष्ठा नक्षत्र का आरंभ होगा। परिघ योग पूर्वाह्न 10 बजकर 26 मिनट तक रहेगा। इसके बाद शिव योग का आरंभ होगा। बालव करण सुबह 9 बजकर 33 मिनट तक रहेगा। इसके बाद कौलव करण का आरंभ। चंद्रमा दिन रात मकर राशि पर संचार करेगा।

जन्मदिन की शुभकामनाएं

यह वर्ष मंगल बुध ग्रह के प्रभाव क्षेत्र में रहेगा। मार्च अंत में आयात-निर्यात के व्यापार से जुड़े लोगों की समस्याओं से जूझना पड़ेगा। अप्रैल से मई तक अच्छे अवसर प्राप्त होंगे। जून में आर्थिक कष्ट व्यथित कर सकते हैं। जुलाई अगस्त में जहां आपको किसी भाग्य से जुड़े कार्यक्षेत्र से जुड़ना पड़ेगा। सितंबर अंत तक आपके कार्य कौशल और एकाग्रता से सभी जोखिम के कार्य सरल हो जाएंगे। अक्टूबर से नवंबर तक आपका जीवन स्तर ऊंचा उठेगा। दिसंबर से जनवरी 2027 में यदि कष्ट मिल रहा हो तो शनिवार सुबह स्टील की कटोरी में सरसों का तेल भरकर उसमें अपना मुख देखकर लें और कटोरी से तेल सहित डकोत को दान कर दें। इस तरह पांच शनिवार करें, इससे घर में सुख शांति बनी रहेगी। फरवरी मार्च विद्यार्थियों का वर्ष उत्तम रहेगा।
-आचार्य कृष्ण दत्त शर्मा

CCI NG 3.7 Product: LucknowMasalamixBS PubDate: 14-03-2026 Zone: Lucknow Edition: 1 Page: LTMMPG3 User: cci Time: 03-14-2026 00:27 Color:

बीवी ने कह दिया कि तुम्हारे साथ काम नहीं करूंगी: सौरभ

CONTINUED FROM ▸ 1

बहुत कम लोग जानते हैं कि ऐक्टर सौरभ शुक्ला की पत्नी बर्नाली रे कवयित्री, लेखिका और निर्देशक भी हैं। उनकी क्रिएटिव पत्नी उन्हें कैसे कॉम्प्लिमेंट करती हैं? इस पर वे कहते हैं, 'मैं खुद को बहुत लकी मानता हूं और खुश भी बहुत हूं कि मेरी पत्नी, मेरी सोलमेट बर्नाली पूरी तरह से इंडिपेंडेंट हैं। एक क्रिएटिव पर्सन होने के बावजूद उन्होंने मुझसे साफ कह दिया था कि सौरभ मैं तुम्हारे साथ काम नहीं करूंगी। पर उन्होंने अपने बलबूते पर बहुत खूबसूरत फिल्में और अर्थपूर्ण डॉक्यूमेंट्री फिल्में बनाई। उन्होंने जून नामक एक बेहद कमाल की फिल्म बनाई, जो उन्होंने खुद लिखी, निर्देशित और प्रड्यूस भी की। वो फिल्म ओटीटी पर रिलीज भी हुई। मुझे उन पर गर्व है।'

> मुझे लगा कि डिंपल कपाड़िया मेरी फिल्म को मना कर देंगी पर उन्होंने स्क्रिप्ट भेजने के तीसरे दिन कहा कि यह किरदार तो सिर्फ वही करेंगी।

सेट पर एक्टर्स को एक्टिंग करके नहीं दिखाता

डिंपल कपाड़िया के साथ अपने काम करने के अनुभव को लेकर सौरभ शुक्ला का कहना है, 'अपनी फिल्म के लिए मैंने डिंपल कपाड़िया के बारे में तो सोचा ही नहीं था। वे तो बहुत बड़ी और व्यस्त स्टार हैं। मुझे लगा कि वे मना कर देंगी, मगर उन्होंने स्क्रिप्ट भेजने के तीसरे दिन मुझे फोन करके कहा कि वो किरदार तो सिर्फ वही करेंगी। डिंपल जी के साथ काम करना बहुत यादगार रहा।' हमने उनसे जानना चाहा कि उन जैसा एक एक्टर जब निर्देशक बनता है, तो सेट पर उसका कितना फायदा-नुकसान होता है? इस पर वे बोले, 'मुझे नहीं लगता, कोई नुकसान होता है, फायदा ही होता है, वो ये कि मैं एक्टर्स की दिक्कत समझ पाता हूं। मैं ये कहना चाहूंगा कि आपके सामने अगर कोई एक्टर हो, तो उसे एक्ट करके कभी मत दिखाओ, मैं ये गलती कभी नहीं करता। जैसे ही आप किसी कलाकार को सेट पर अभिनय करके दिखाते हैं, तो इसे वे अपनी इंसल्ट मालूम होती है। वो सोचता है कि आप उसे नकल करने कह रहे हैं।'

रमज़ान में खजूरों से सज रही खाने की टेबल

रमज़ान में खजूर सिर्फ स्वाद नहीं, बल्कि अपने पौष्टिक गुणों के कारण भी पसंद किए जाते हैं। दुनिया के सबसे पुराने फलों में गिने जाने वाले खजूर की कई किस्में हैं। प्रीमियम मेडजूल से लेकर मदीना के अजवा तक, हर एक का स्वाद और बनावट अलग होती है। अब ये गिफ्टिंग का भी हिस्सा बन चुके हैं।

Pics: iStock

अजवा (मदीना, सऊदी अरब)
खजूर की यह किस्म धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व रखती है और इसका रंग गहरा भूरा-काला होता है। यह मेडजूल से छोटा और सूखा होता है और हल्की मिठास के साथ रेशेदार होता है। ये प्रीमियम श्रेणी में आते हैं।

खजूर (भारत)
खजूर की यह किस्म फीनिक्स सिल्वेस्ट्रिस प्रजाति की है और राजस्थान, गुजरात, पश्चिम बंगाल व दक्षिण भारत के कुछ हिस्सों में इसे उगाया जाता है।

मेडजूल (मोरक्को)
इसे 'खजूरों का राजा' कहा जाता है। भूरे रंग का यह खजूर काफी मोटा और चमकदार होता है और मुंह में डालते ही घुल जाता है। इसे खाते हुए शहद और टॉफी का स्वाद आता है। गिफ्ट देने के लिए यह अच्छा है

सुक्कारी (सऊदी अरब)
यह खजूर नरम और शहद जैसे स्वाद वाला होता है और इसमें रेशे भी कम होते हैं।

मज़ाफ़ती
(ईरान) इसका रंग इतना गहरा भूरा होता है, जो लगभग काला ही लगता है। यह नरम, रसीले और मीठे होते हैं जिनमें कैरमेल मिला होता है।

डेगलेट नूर (अल्जीरिया और ट्यूनीशिया)
इसे 'खजूरों की रानी' कहा जाता है और इसमें हल्की मिठास होती है।

बरही
(इराक)
इस खजूर का रंग ताजा होने पर सुनहरा-पीला होता है और पकने पर भूरे रंग का हो जाता है। यह सबसे मीठे खजूरों में से एक है और बेहद नरम होता है।

इफ्तार की शामों के लिए मॉडर्न ड्रिंक्स

रमज़ान की शामों में ऐसे ड्रिंक्स अच्छे लगते हैं जो सिर्फ प्यास ही न बुझाएं, बल्कि पूरे दिन के रोज़े के बाद धीरे-धीरे एनर्जी भी दें और स्वाद भी बना रहे। तो इस बार इफ्तार टेबल पर थोड़ा ट्विस्ट लाइए ट्रडिशनल फ्लेवर में मॉडर्न टच के साथ।

फिरनी का शेक

घर में बनी चावल की फिरनी को जब शेक बना दिया जाता है, तो ये एकदम क्रीमी और स्मूद ड्रिंक बन जाती है। मीठा भी हल्का-सा, पेट भी भरा-भरा लगे और एनर्जी भी मिल जाए। साथ ही पौष्टिकता भी भरपूर होती है। इफ्तार के लिए बढ़िया यह ऑप्शन है।

चिया नारियल रिफ्रेशर

नारियल पानी की नेचुरल ठंडक और भीगे हुए चिया सीड्स का हेल्दी कॉम्बिनेशन, गर्म शामों में एकदम रिफ्रेश कर देता है। शरीर हाइड्रेट रहता है और हल्की-सी एनर्जी भी मिल जाती है। यह बॉडी को तुरंत एनर्जी देकर आपको एनर्जेटिक बना देता है।

रमज़ान की खुमारी बिरयानी, कुल्चे-निहारी

अकबरी गेट: रात 12:15

अमीनाबाद तक ट्रैफिक आराम से था लेकिन जैसे ही अकबरी गेट के करीब पहुंचे तो माहौल अचानक बदल गया। भीड़ इतनी कि बाइक दूर एक किलोमीटर पहले ही पार्क करनी पड़ी। ई-रिक्शों की कतार, पैदल चलने की जद्दोजहद, एक-दूसरे को कंधा छूते हुए गुजरता हुजूम, यह वही रमजान की रात है, जिसकी चर्चा पुराना लखनऊ हमेशा करता है। ढाल उतरते हुए भीड़ धक्का-मुक्की पर उतर आई। किसी तरह रहीम और मुबीन के होटल तक पहुंचे। देखा तो पता चला कि अंदर जितनी भीड़ थी, बाहर उससे दोगुनी खड़ी थी। होटल वाले सीटें न होने पर रोजेदारों के लिए सड़क किनारे बेंच लगाकर खाना परोस रहे थे। मुबीन होटल की तीन मंजिलें खचाखच थीं। यह नजारा देखने के बाद हम इदरीस के होटल आ गए, जहां लोग कुल्चे-निहारी के लिए लाइन लगाए हुए थे। पाटानाला स्थित अच्छे भाई के निहारी कुल्चे बहुत फेमस हैं तो हमने सोचा क्यों ना चलकर हम भी चखें। हम पहुंच गए मशहूर गुफरान अहमद अच्छे भाई के होटल पर स्पेशल गिलौरी और निहारी खाने के लिए। गिलौरी की खुशबू दूर से पहचान में आ रही थी। वहां भी जमकर भीड़ थी। परिवारों की लाइन, पैकिंग काउंटर पर भीड़ और घी-मलाई वाले गिलौरी की तैयारी, ये सब देखकर समझ में आया कि अच्छे भाई का नाम यूं ही नहीं चलता। निहारी का पहला कौर लेते ही खुद से कहा, यही वजह है कि लोग आधी रात को भी लाइन लगाने को तैयार रहते हैं।

छोटा-बड़ा इमामबाड़ा फूड ज़ोन : रात 1:10

CONTINUED FROM ▸ 1

कुछ आगे बढ़ते ही पुराने लखनऊ का सबसे नया आकर्षण इमामबाड़ा फूड जोन अपनी पूरी शान में खड़ा था। छोटे इमामबाड़े की रोशनी और लोगों की भीड़ ने माहौल को और जीवंत बना दिया था। यहां ईरानी चाय, सींक कबाब, खिचड़ा और रोस्टेड के स्टॉलों पर इतनी भीड़ थी कि लगता था जैसे अभी दस बजे हों। आम दिनों में जहां आधी रात के बाद सन्नाटा होने लगता है, रमजान में वहीं यह गलियां सहरी तक सांस लेने की फुरसत नहीं देती हैं। हर तरफ बस खाना, खुशियां और रौनक, यही पुराने लखनऊ की पहचान है।

गलियां, खाने के ठेले और पान : रात 1:45

रमजान की रात केवल बड़े होटलों तक सीमित नहीं रहती है। सड़कों पर लगे छोटे ठेले-बिरयानी, पकौड़े, कश्मीरी चाय-सबकी अपनी फैन फॉलोइंग है। अमीनाबाद से लेकर अकबरी गेट तक कश्मीरी चाय की दुकानों पर लोग ऐसे जुटे थे, जैसे किसी दावत में आए हों। अकबरी गेट के मशहूर अजहर पान वाले और मौलाना पान की दुकान पर भीड़ लगातार बढ़ती जा रही थी। गुलकंद, जाफरानी, सादा और डबल जीरो पान, हर स्वाद के चाहने वाले कतार में खड़े थे। नक्खास, चौक, मौलवीगंज, नजीराबाद और अमीनाबाद, हर जगह शाही टुकड़े की मिठास रोजेदारों के थके चेहरे पर फिर से चमक लौटा रही थी। घड़ी ने 2 बजने का संकेत दिया लेकिन शहर की रफ्तार में कोई कमी नहीं थी।

दोस्तों संग गुजरता वक्त

चौक के सलमान बताते हैं कि रात में सभी दोस्त एक जगह पर इकट्ठा हो जाते हैं। रमजान का एक ऐसा महीना होता है जब सब दोस्त एक साथ मिल पाते हैं। वरना सब काम में इतना बिजी हो गए हैं कि मिलना ही नहीं हो पाता है। रमजान के यह तीस दिन हमारे इबादत के साथ साथ दोस्तों के साथ वक्त बिताने का सबसे अच्छा वक्त होता है। हम लोग रात भर कभी अमीनाबाद तो कभी चौक खाने के लिए जाते रहते हैं फिर सहरी करके और फज्र की नमाज पढ़ कर अपने घर चले जाते हैं।

रौनक से रूबरू रहता हूं

हुसैनगंज के रहने वाले मुदस्सिर बताते हैं कि मेरे लिए रमजान की रौनक का मतलब सिर्फ घूमना फिरना नहीं है। मैं सबसे पहले नमाज अदा करता हूं। उसके बाद ही घूमने निकलता हूं। हां, यह बात सही है कि कभी फैमिली तो कभी दोस्तों संग पूरा रमजान मेरा पुराने लखनऊ में ही गुजरता है। खानपान के साथ लोगों से गुलजार रातों में घूमने का अपना अलग ही मजा है। मैं कुल्चे नहारी अकबरी गेट पर खाता हूं तो चाय छोटे इमामबाड़ा पर जाकर पीता हूं। साल में एक ही बार तो रमजान आता है इसलिए पाक महीने में इबादत के साथ मैं अपने शहर की रौनक से भी रूबरू होता हूं।

HEALTH & WELLNESS TIMES interact

माही डायग्नोस्टिक
सभी जॉंचें एक ही जगह
उत्तर प्रदेश में पहला NABL इमेजिंग सेंटर
डिजिटल CBCT
NABL Certified Lab
★ एम आर आई
★ सी.टी. स्कैन (Cardiac Angiography)
★ पैथालॉजी
★ अल्ट्रासाउण्ड एवं अन्य सभी जॉंच
पिकाडिली होटल के सामने, कानपुर रोड, लखनऊ
फोन: 0522-4074409, हेल्पलाइन: 8448440852
शाखा सी-2/112, सेक्टर-एच, एलडीए कॉलोनी, कानपुर रोड योजना, लखनऊ, फोन: 05224314572

GET NOTICED TIMES interact

Mirza Presents
B&W
BOUTIQUE & WEDDING
LIFESTYLE - FASHION - JEWELLERY - EXHIBITION
62nd Edition
FESTIVALS SPECIAL
3 DAYS TO GO...
17 & 18
MARCH'26
11am to 09pm
HOTEL CLARKS AVADH
HAZRATGANJ
LUCKNOW
ENTRY FREE
COUTURE | REAL & ARTIFICIAL JEWELLERY | FURNISHING | DECOR
BAGS & FOOTWEAR | GIFT ITEMS | ACCESSORIES & MORE...
09839215277, 07905619030
/boutiqueandweddingexpo /boutiqueandweddingexpo

CCI NG 3.7 Product: LucknowMasalamixBS PubDate: 14-03-2026 Zone: Lucknow Edition: 1 Page: LTMMBP User: cci Time: 03-13-2026 22:09 Color:

कुमार सानू को मानहानि मामले में कोर्ट से राहत

पूर्व पत्नी रीता भट्टाचार्य, डिजिटल प्लेटफॉर्म्स, अज्ञात लोगों के खिलाफ कुमार सानू की मानहानि की रिट पर दिल्ली हाईकोर्ट ने सिंगर को पर्सनैलिटी राइट्स के तहत अंतरिम सुरक्षा प्रदान की। कोर्ट ने मानहानि की सामग्री के प्रसार, प्रकाशन पर रोक संग डिजिटल प्लेटफॉर्म्स को कानून के तहत कार्रवाई करने को कहा है।

'शाहरुख खान के बगल में बैठना ही मेरा ऑस्कर'

ताहा शाह

Upma.Singh@timesofindia.com

संजय लीला भंसाली की महत्वाकांक्षी वेब सीरीज हीरामंडी के ताजदार के रूप में प्यार बटोरने वाले ऐक्टर ताहा शाह बदुशा अब अपनी नई फिल्म पारो: द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ ब्राइड स्लेवरी को लेकर चर्चा में है। 98वें ऑस्कर के कंटेंशन सूची तक पहुंची यह फिल्म खरीदी-बेची जाने वाली दुल्हनों की दुर्दशा को दिखाती है। हालांकि, यह फिल्म ऑस्कर नॉमिनेशन में आगे नहीं बढ़ पाई, मगर ताहा का कहना है कि ऑस्कर में आगे पहुंचने से ज्यादा मायने इस फिल्म, इस विषय का लोगों तक पहुंचना है।

बकौल ताहा, 'ब्राइड स्लेवरी यानी खरीदी गई गुलाम दुल्हनों की जिंदगी पर ना के बराबर फिल्में बनी हैं। जबकि, ऐसी करीब 7000 औरतें हैं, जिनका कोई वजूद ही नहीं है। ये औरतें अपनी उम्र से 30-35 साल बड़े आदमी के साथ ब्याह दी जाती हैं। कभी-कभी तो ये 10-15 बार बेची जाती हैं, पर इन्हें ना तो एक बीवी का हक मिलता है, ना इज्जत। आदमी का मन भर जाए तो वह उसे दोबारा बेच देता है। उस औरत, जिन्हें पारो बुलाया जाता है, उनका अपने घर, बच्चों, किसी चीज पर हक नहीं होता। हम चाहते हैं कि उन्हें वो हक और इज्जत मिले। इन औरतों को पहचान मिलना ही हमारी सबसे बड़ी कामयाबी होगी।'

शाहरुख खान को देखकर चढ़ा ऐक्टर बनने का जुनून

यूएई में पले-बढ़े ताहा का हिंदी सिनेमा और ऐक्टिंग की ओर रुझान कैसे हुआ? यह पूछने पर वह बताते हैं, "मेरी मम्मी जब युवा थीं तो ऐक्ट्रेस बनना चाहती थीं। उनको मौका भी मिला था, पर मेरी नानी ने मना कर दिया तो उनका सपना अधूरा रह गया। मां को फिल्मों का बहुत शौक था। वे फिल्में देखती थीं तो मैं भी देखता था। मगर ऐक्टिंग के बारे में नहीं सोचा था। फिर एक बार मैं वहां हो रहे अवॉर्ड शो में बहुत ही पीछे बैठा था। कुछ दिख नहीं रहा था, पर मजा आ रहा था, लेकिन तभी अचानक से लाइट्स बंद हुईं और मेरे बिल्कुल पीछे क्रेन पर शाहरुख खान खड़े थे। हम सब खुशी से चीखने लगे थे। उस वक्त मेरे अंदर भी ऐक्टिंग का जुनून जगा। मेरी खुशनसीबी रही कि मुझे शाहरुख खान की उपस्थिति में, उनके बगल में बैठने का मौका मिला है। वही मेरा ऑस्कर है।'

भंसाली सर के साथ दोबारा काम करना है

साल 2011 में फिल्म लव का द एंड से करियर शुरू करने वाले ताहा को 13 साल बाद संजय लीला भंसाली की सीरीज हीरामंडी से पहचान मिली। वह कहते हैं, "मैं संजय सर का जितना शुक्रिया करूं, वह कम है, क्योंकि मैं आज जहां पर भी हूं, उनकी वजह से हूं। उन्होंने मुझे इस काबिल समझा कि मुझे ताजदार का इतना अहम रोल निभाने को दिया। मैं उम्मीद करता हूं कि मैं उनके साथ न्याय किया हो और वह मुझे दोबारा अपने गाइडेंस में काम करने का मौका दें। मैं दोबारा उनके साथ काम करना चाहूंगा। संजय सर वो हीरा हैं, जिनकी चमक में रहकर हम भी बहुत कुछ सीख जाते हैं। एक बेहतर आर्टिस्ट, बेहतर क्रिएटिव इंसान बन जाते हैं।' लेकिन सफलता के लिए इस लंबे इंतजार में ताहा कैसे डटे रहे? यह पूछने पर वह बताते हैं, "मैंने हार इसलिए नहीं मानी, क्योंकि मेरा कोई दूसरा प्लान भी कभी था ही नहीं। मैं बहुत क्रिएटिव किस्म का आदमी हूं। सिर्फ ऐक्टिंग में ही मुझे खुशी मिलती है तो डटे रहने के अलावा मेरे पास कोई विकल्प ही नहीं था। फिर, मेरी मम्मी कहती थीं कि जब मैं नहीं थक सकती तो तुम कैसे थक सकते हो। मेरे इस सफर में मेरा योगदान 20 पर्सेंट है, उनका 80 पर्सेंट है। उनके बिना इस उतार-चढ़ाव भरे प्रफेशन में बिल्कुल सर्वाइव नहीं कर पाता।

फिल्मी डेब्यू करेंगी बिली आइलिश

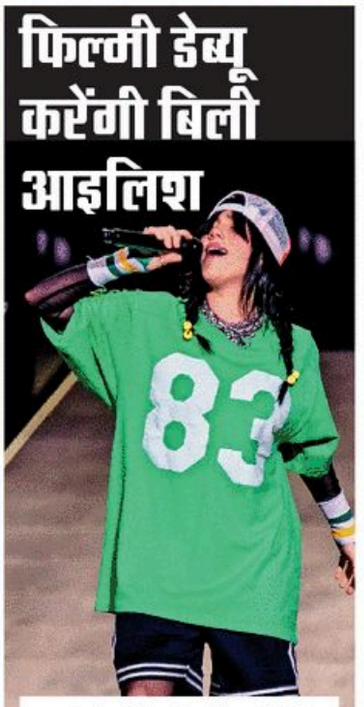

अपने गानों के लिए दुनियाभर में मशहूर सिंगर बिली आइलिश अब अपना फिल्मी डेब्यू करने जा रही हैं। दरअसल, बिली साराह पॉली के निर्देशन में बनने वाली फिल्म द बेल जार में नजर आएंगी। यह फिल्म अमेरिकी लेखिका सिल्विया प्लैथ के मशहूर उपन्यास पर आधारित है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, पॉली ने अपनी 2023 की फिल्म वुमेन टॉकिंग के लिए बेस्ट एडाप्टेड स्क्रीनप्ले का ऑस्कर जीता था। उसके बाद यह उनका पहला बड़ा प्रोजेक्ट होगा। बिली आइलिश खुद भी दो बार ऑस्कर जीत चुकी हैं। उन्हें फिल्म बार्बी और नो टाइम टू डाइ जैसी फिल्मों के लिए लिखे अपने गानों के लिए ऑस्कर मिला था। गौरतलब है कि बिली आइलिश ने अपने ऐक्टिंग करियर की शुरुआत सीरीज स्वार्म से की थी, लेकिन द बेल जार उनका फिल्मों में पहला प्रोजेक्ट होगा।

जीवन से प्रेरित स्टोरी

द बेल जार अमेरिकी लेखिका सिल्विया प्लैथ के जीवन से प्रेरित एक सेमी-ऑटोबायोग्राफिकल कहानी है। यह कहानी एक युवा महिला के मानसिक बीमारी की ओर बढ़ने और उस पर पड़ने वाले सामाजिक दबावों के इर्द-गिर्द घूमती है। आज के समय में एक क्लासिक माना जाने वाला यह उपन्यास 1963 में एक छद्म नाम के तहत प्रकाशित हुआ था। इसके कुछ समय बाद ही प्लैथ की मात्र 30 वर्ष की आयु में मौत हो गई थी। उन्हीं से पॉली की फिल्म प्रेरित हुई है।

लंदन की दुकानों में प्रिंस विलियम-केट ने परोसा डिजर्ट

वेल्स के प्रिंस विलियम और प्रिंसेज केट मिडलटन ने बीते दिनों लंदन वालों को एक खास सरप्राइज दिया। दरअसल दोनों राजकुमार और राजकुमारी लंदन की मशहूर बॉरो मार्केट पहुंचे और उन्होंने कस्टमर्स को अपने हाथों से नाश्ता और डिजर्ट परोसा। रिपोर्ट्स के मुताबिक, राजकुमारी केट ने कॉफी बनाने में अपना हाथ आजमाया और अपने पति के लिए कॉफी बनाई। इसके बाद उन्होंने और विलियम ने एक दूसरे स्टॉल पर लोगों को डिजर्ट परोसे।

रिपोर्ट्स में बताया गया कि दोनों ने अपने दिन की शुरुआत एक चीज बनाने वाली पुरानी दुकान से की, जो पश्चिमी इंग्लैंड में 1998 से पारंपरिक तरीके से चीज बनाते हैं। इसके बाद प्रिंसेज केट और प्रिंस विलियम चैन प्लीज नाम के कॉफी मेकर्स के पास पहुंचे, जहां बेघर लोगों को कॉफी बनाने की ट्रेनिंग दी जाती है। इसके बाद उन्हें डिजर्ट बनाने वाले हंबल क्रम्बल को देखने के लिए भी ले जाया गया। यहां उन्होंने सैलानियों को अपने हाथों से डिजर्ट परोसे। मार्केट घूमने के बाद, कपल बेरमोंडसे बीयर माइल की सैर पर निकला। इस रास्ते पर 20 से ज्यादा दुकानें हैं। 17वीं सदी से ही यह इलाका लंदन की ब्रूइंग इंडस्ट्री का केंद्र रहा है। प्रिंसेज केट ने यहां बीयर बनाने की कोशिश की।

बॉरो मार्केट में प्रिंस विलियम और केट

कीथ के साथ अपने तलाक पर पहली बार बोलीं निकोल

निकोल किडमैन ने सिंगर कीथ अर्बन से तलाक पर खुलकर बात की है। इस मुश्किल दौर को पार करते हुए निकोल ने कहा कि वह अपने परिवार के लिए आभारी हैं और उनका पूरा ध्यान इन रिश्तों को सहेजने और जीवन में आगे बढ़ने पर है।

एक बातचीत में जब उनसे पूछा गया कि क्या वह कीथ से अलग होने के बाद के इन महीनों में ठीक हैं, तो उन्होंने कहा, 'हां, क्योंकि मैं हमेशा उसी दिशा में बढ़ती रहूंगी जो अच्छी है।' निकोल ने माना कि उनकी प्राथमिकता अपने परिवार को साथ रखते हुए जीवन में आगे बढ़ना है। उन्होंने कहा, 'मैं अपने परिवार के लिए आभारी हूं और उन्हें वैसे ही (एकजुट) बनाए रखते हुए आगे बढ़ना चाहती हूं। बस इतनी सी बात है। बाकी चीजों पर मैं सम्मान की खातिर चर्चा नहीं करती। मेरा नजरिया यही है कि हम एक परिवार हैं और हम हमेशा रहेंगे। मेरी प्यारी बेटियां, मेरी लाडलियां, जो अब अचानक बड़ी हो गई हैं।' गौरतलब है कि निकोल किडमैन और कीथ अर्बन का तलाक 6 जनवरी को नैशविल कोर्ट में फाइनल हुआ। इस कपल की दो बेटियां संडे (17) और फेथ (15) भी हैं।

निकोल किडमैन और कीथ अर्बन

yogen Shah

सूरज बड़जात्या की बेटी के रिसेप्शन में जुटे सितारे

रानी मुखर्जी कुछ इस अंदाज में नजर आईं

बेटे जुनैद के साथ आमिर

सूरज बड़जात्या अपने परिवार के साथ

अभिषेक कोठारी और उनकी पत्नी ईशा बड़जात्या

पार्टी में पहुंचे सलमान खान

रेखा

शारवरी वाघ

फिल्म निर्माता सूरज बड़जात्या की बेटी ईशा बड़जात्या के वेडिंग रिसेप्शन में बॉलिवुड सितारों का जमावड़ा देखने को मिला। इससे जुड़ी हुई कई तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। इस रिसेप्शन में सूरज बड़जात्या के 'प्रेम' यानी सलमान खान पहुंचे। वहीं आमिर खान बेटे जुनैद के साथ रिसेप्शन में शामिल हुए। इस मौके पर रानी मुखर्जी और रेखा समेत कई स्टार्स पहुंचे।

अनिल कपूर

विकी कौशल

NOTE : -

[: राजस्थान पत्रिका , दैनिक जागरण delhi, नवभारत टाइम्स delhi, अमर उजाला delhi, हिन्दुस्तान delhi, Pioneer hindi delhi, जनसत्ता delhi,]

English NEWSPAPERS
[Times Of India delhi, Indian Express delhi, The Hindu delhi, Financial Express delhi, economic times delhi , the Pioneer english delhi , the tribune delhi] ETC.

We are providing all news paper pdf hindi and English want to read daily newspapers by pdf please msg me on telegram

2. आकाशवाणी (AUDIO)

whatsapp Group ka link pane ke liye Newspaper_pdf_bot par jaye.

Click here to contact:-https://t.me/Newspaper_pdf_bot
Or type in Search box of Telegram
@Newspaper_pdf_bot And you will find a channel
BACKUP GROUP LINK
https://t.me/joinchat/5P9EL1JaqoYzNTI1

Hindi-English News Paper Website:- onlineftp.in